वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 07 | गुरुवार 2 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

### मजदूर दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

## रेल मजदूर आंदोलन के संघर्ष, यूनियन की उपलब्धियों और भविष्य की चुनौतियों पर की चर्चा

**जयपुर. कासं।** नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे इम्प्लॉइज यूनियन, जयपुर के कार्यालय में बुधवार को मंडल अध्यक्ष केएस अहलावत की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें सहायक महामंत्री गोपाल मीणा, जयपुर बैंक उपाध्यक्ष राजेश वर्मा, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी व कोच रामनिवास चौधरी, डायरेक्टर देशराज सिंह, के के सेठी, सतीश ज्यानी आदि ने मजदूर आंदोलन एवं उपलब्धियां पर अपने विचार व्यक्त किये। मंच संचालन सहायक मंडल मंत्री अनूप कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अहलावत ने यूनियन के रेल मजदूर आंदोलन के संघर्ष, यूनियन की 100 वर्ष की उपलब्धियां और भविष्य की चुनौतियों से सभी को अवगत कराया।

## मुख्य सचिव ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से किया संवाद

**जयपुर. कासं**

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण, साफ नीयत और ईमानदारी से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर देती है, इसका लाभ उठाकर सदा सीखने की ललक रखनी चाहिए। उन्हें आमजन के जीवन को बेहतर एवं सरल बनाने के लिए बिना अहम के नई संभावनाओं को तलाशते रहना चाहिये। पंत बुधवार को शासन सचिवालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा-2023 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद कर रहे थे। इस दौरान मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों से परिचय कर उनसे अनुभव भी पूछे। मुख्य सचिव ने भी इन अधिकारियों के साथ डिस्ट्रिक्ट ट्रैनिंग के अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि ट्रैनिंग के दौरान उन्हें कई अनुभवी एवं कर्मठ अधिकारियों का सानिध्य मिला एवं उनसे सीखी हुई बारीकियों ने चुनौतियों से पार पाने की दिशा में हमेशा पथ प्रदर्शक का काम किया। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान विविधताओं से भरा प्रदेश है जहाँ नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन, खनिज, पेयजल, सिंचाई, आदि के क्षेत्र में चुनौतियों के साथ-साथ सम्भावनायें भी मौजूद हैं। इस दिशा में हम प्रदेश के विकास की सोच के साथ आगे बढ़कर काम कर सकते हैं।

### मौसम विभाग ने जताया अनुमान...

## अब गर्मी के चौके-छक्के: पहले सप्ताह के बाद चढ़ेगा पारा, आखिरी 15 दिनों में चलेगी लू, तापमान 45 डिग्री पहुंचने के आसार

**जयपुर. कासं**

मार्च-अप्रैल में गर्मी के तेवर नरम रहने के बाद अब मई में भीषण गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार मई के पहले हफ्ते में ही तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी और 15 मई तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने का अनुमान है। आखिरी दो हफ्ते में तेज लू चलने की आशंका है। दिन के साथ रात के तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहेगा। हालांकि मौसम विभाग ने इस महीने पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कैसा रहेगा, इसे लेकर पूवार्नुमान जारी नहीं किया है। इस पूरे महीने 15 दिन लू चलने, एक से दो दिन थंडर स्टॉर्म एक्टिविटी और 25 से 27 दिन मौसम पूरी तरह साफ रहने का अनुमान है। मई के आखिरी दो हफ्ते में करीब 4 से 5 दिन तेज लू चलने का रेड अलर्ट रह सकता है।

**मार्च-अप्रैल में सामान्य से कम रहा पारा:** गर्मी के सीजन में इस बार मार्च-अप्रैल में तापमान सामान्य से कम रहा। लगातार

8 से 10 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मार्च और अप्रैल में एक बार भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार नही गया। अब मई में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है।

**बीते चौबीस घंटे में तापमान सामान्य से 5 डिग्री कम:** बीते चौबीस घंटे तापमान में 2 डिग्री की गिरावट हुई और बुधवार को राजधानी में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.7 डिग्री कम 34.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। अब धीरे-धीरे तापमान में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। पहले सप्ताह सामान्य से कम रहेगा तापमान, तीसरे हफ्ते में रहेगा लू का रेड अलर्ट

**पहला हफ्ता:** मौसम साफ रहेगा। पारा 38 से 40 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है, जो सामान्य से 2 से 5 डिग्री कम है। इसके बाद पश्चिमी गर्म हवा का प्रभाव बढ़ेगा।

**दूसरा हफ्ता:** दिन-रात का पारा 2-4 डिग्री बढ़ने का अनुमान है। दोपहर में हल्की लू चलने की आशंका है। दूसरे हफ्ते में तापमान 42 डिग्री पहुंचने का अनुमान है।

**तीसरा हफ्ता:** लू का रेड अलर्ट रहेगा। अधिकतम तापमान 44 डिग्री तक पहुंचेगा और गर्मी पड़ने के साथ भीषण लू चलेगी। इस हफ्ते तीन से 4 दिन हीटवेव के रहेंगे।

**चौथा हफ्ता:** भीषण गर्मी का दौर जारी रहेगा। राजधानी जयपुर में तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचने की आशंका है। पूरे हफ्ते चिलचिलाती धूप के साथ लू चलेगी।

# बड़ के बालाजी जैन मंदिर में मनाया : गणिनी आर्यिका सुपार्श्वमती माताजी का 12 वां अंतरविलय दिवस

## श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ चढ़ाए अष्टद्रव्य और पुष्पचक्र संगीत के साथ किया पूजन, हुई विनयांजलि सभा

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

अजमेर रोड़ बड़ के बालाजी स्थित सुपार्श्व गार्डन सिटी के चंद्र प्रभु जैन मंदिर में बुधवार को गणिनी आर्यिका रत्न सुपार्श्वमती माताजी का 12 वां अंतरविलय दिवस श्रद्धा - भक्ति के साथ आचार्य चैत्य सागर महाराज और मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ सानिध्य में मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः चंद्रप्रभ भगवान के स्वर्ण एवं रजत कलशों से कलशाभिषेक और शांतिधारा कर जिनेन्द्र प्रभु का अष्ट द्रव्यों के साथ पूजन किया। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की तिथि अनुसार मंगलवार के दिन पूज्य गुरुमां सुपार्श्वमती माताजी ने अपना देह का त्याग कर दिया था और अंतर विलीन हो गई, जिसके बाद सुपार्श्व गार्डन सिटी में ही माताजी की समाधि क्रिया संपन्न हुई थी, जिस स्थान पर अंतिम क्रिया संपन्न हुई थी अब वहां माताजी का चरण स्थल स्थापित किया जा चुका है उसे लोटस टेंपल का सवरूप प्रदान किया गया है जहां हर वर्ष माताजी के समाधि दिवस पर हजारों श्रद्धालुओं द्वारा गुरु पूजन, पुष्प चक्र आदि चढ़ाकर आरती की जाती है। ब्रह्मचारी जिनेंश भैया द्वारा मंगलवार को कार्यक्रम का संचालन किया गया था, इस दौरान पूजन, अर्घ चढ़ा विन्यांजली सभा का आयोजन किया गया था जिसे राजस्थान जैन सभा के पूर्व अध्यक्ष कमलबाबू जैन, अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा मंदिर समिति मानद मंत्री अधिवक्ता हेमंत सोगानी, प्रभात जैन सिंघई जबलपुर, श्रीपाल, भागचंद चूड़ीवाल गुवहाटी, सरोज चूड़ीवाल आंध्र प्रदेश, अजीत पाटनी श्याम नगर आदि सहित अन्य श्रद्धालुओं ने अपने - अपने शब्दों पूज्य माताजी के प्रति विनयांजलि प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि दी।

## ज्ञान का भंडार थी सुपार्श्वमती माताजी - आचार्य चैत्य सागर

विनयांजलि सभा के पश्चात अंत में आचार्य चैत्य सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया ओर अपने आशीर्वचनों में कहा की जिस प्रकार एक पत्थर पारस बन सकता है ठीक उसी प्रकार सुपार्श्वमती माताजी के साथ जुड़ जाता है वह बिना ज्ञान को अर्जित किए जा नही पाता था, माताजी ज्ञान का ऐसा भंडार थी जिन्होंने ना केवल देशभर में भ्रमण कर जैन धर्म का प्रचार प्रसार किया बल्कि अनेकों शास्त्रों का लेखनकर विश्व पटल पर जैन धर्म का संरक्षण किया, माताजी द्वारा रचित शास्त्रों को केवल श्रावक ही गुणुवाद नही करते बल्कि साधु समाज भी उनके द्वारा रचित शास्त्रों का गुणुवाद कर स्वयं को अलौकिक करते है।

## मुनि महिमा सागर महाराज का चातुर्मास पदमपुरा में, कमेटी ने चढ़ाया श्री फल लिया आशीर्वाद

राजधानी में इस वर्ष होने वाले चतुमार्सों में एक चातुर्मास की घोषणा मंगलवार को आचार्य चैत्य सागर महाराज द्वारा मुनि महिमा सागर महाराज के रूप में की, मंगलवार को अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा दिगंबर जैन मंदिर समिति मानद मंत्री हेमंत सौगनी, कोषाध्यक्ष राजकुमार कोठ्यारी, सदस्य सुभाष पाटनी, राजकुमार सेठी, योगेश टोडरका आदि ने आचार्य बाहुबली सागर महाराज के शिष्य मुनि महिमा सागर महाराज को श्रीफल भेंट कर आगामी चातुर्मास पदमपुरा में संपन्न करने के लिए निवेदन किया था और आशीर्वाद प्राप्त किया था, जिसकी घोषणा आचार्य चैत्य सागर महाराज ने कार्यक्रम के दौरान की, अगले दो - तीन का प्रवाह बड़ के बालाजी में रहने के बाद मुनि महिमा सागर महाराज श्याम नगर वशिष्ठ मार्ग जैन मंदिर के लिए विहार करेंगे।

# गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में गायत्री नगर जयपुर में हो रही है धर्म की महती प्रभावना

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर-ए, महारानी फार्म, जयपुर में धर्म की महती प्रभावना कर रही है। मन को अंदर ले जाना ही मंदिर है। इस बात को माताजी ने गायत्री नगर जैन मंदिर में प्रवचन के दौरान समझाया। संस्कारों के बीजारोपण से ही जीवन में प्रतिष्ठा को प्राप्त किया जा सकता है। पत्थर दो जगह लगते है, एक पैरों में आता है और एक मूर्ति का रूप धारण कर लेता है, प्रतिष्ठा को प्राप्त हो जाता है। यह सब संस्कारों की ही महिमा है। पूज्य माताजी ने धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को मंदिर जी में आते वक्त चप्पल- जूते नहीं पहनने का संकल्प दिखा देकर श्रावक के त्याग धर्म को वृद्धिंगत किया। पूज्य माताजी की आहारचर्या कराने का सौभाग्य महावीर प्रसाद निमेडा वाले सपरिवार ने सानंद प्राप्त किया। 2 मई 2024 को माताजी के सान्निध्य में गणाचार्य गुरुवर 108 श्री विराग सागर जी महाराज का 62 वाँ जन्म जयन्ती महोत्सव मनाया जायेगा। त्रिवेणी नगर जैन समाज ने अल्प प्रवास हेतु श्रीफल समर्पित किया। कल शाम 5 बजे आर्यिका संघ का मंगल विहार त्रिवेणी नगर की ओर होने जा रहा है।

# जिसका गुरूर अभी तक नहीं गया, समझलो गुरु उसको अभी नहीं मिला: आचार्य शशांक सागर

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** जनकपूरी - ज्योतिनगर जैन मंदिर में ससंघ प्रवास रत आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी मुनिराज ने बुधवार को धर्म सभा में कहा कि जिस व्यक्ति का गुरूर अभी तक नहीं गया है समझलों की उस व्यक्ति को सच्चा गुरु नहीं मिला है। गुरु के पास जब भी जाओ तो अहंकार को छोड़कर विनम्र बन कर जाओ। आचार्य श्री ने आगे कहा कि गुरु तो आज भी वही है लेकिन भक्त जन में संयम व तप की कमी आ गई है, संत ज्ञान का प्रकाश चाहता है। उन्होंने बताया कि मेरी भावना के बाद बारह भावना व वैराग्य भावना तक आप लोग पहुंचे तथा यह समझ ले की प्रेम की शुरूआत अपने से होती है तब अपने आप फिर सब तक पहुंचती है। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि नित्य प्रातः 6.50 पर शांति धारा , 8.30 पर प्रवचन तथा दिन में स्वाध्याय व शंका समाधान का कार्यक्रम होता है।

# मंत्र साधना भौतिक बाधाओं का आध्यात्मिक उपचार है मंत्र: महर्षि डॉ. योगभूषण

## मंत्र चिकित्सा के संदर्भ में मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

**नई दिल्ली. शाबाश इंडिया**

लौकिक और पारलौकिक समस्याओं के समाधान हेतु सोहम मूवमेंट के तत्वावधान में नई दिल्ली स्थित मुक्ताधारा ऑडिटोरियम में मंत्र मोक्ष नामक एक विशेष कार्यशाला का आयोजन रविवार , दिनांक 28 अप्रैल 2024 को किया गया जिसमें मंत्र चिकित्सा के अन्वेषक और प्रवर्तक परम श्रद्धेय मंत्र महर्षि डॉ. क्षुल्लक श्री 105 योग भूषण जी महाराज ने अपना सानिध्य और मार्गदर्शन प्रदान किया। इस विशेष कार्यशाला में गुरुदेव ने मंत्र चिकित्सा के रहस्यों को उद्घाटित करते हुए बताया कि मंत्र और अध्यात्म एक दूसरे के पूरक हैं। प्राचीन समय से ही मनुष्य अपनी आध्यात्मिक उन्नति के लिए तत्पर है। प्राचीन काल से जुड़े ऋषि-मुनि, साधू संत इसके प्रेरक उदाहरण है। इसके लिए मंत्रशास्त्र के लिए उनकी श्रद्धा सदा बनी रही और यह श्रद्धा आज तक चली आ रही है। आज भी मनुष्य इश्वर से जुड़ने के लिए या आध्यात्म से जुड़ने के लिए आराधना में विभिन्न इष्ट मंत्रो का प्रयोग करता है। मंत्र का शाब्दिक अर्थ है मन की रक्षा करने वाली ध्वनि, जो साक्षर और निरक्षर दोनों तरह की होती है। साक्षर ध्वनि वे हैं जिनमें कोई अक्षर या शब्द का प्रयोग किया जाता है, निरक्षर ध्वनि में शब्द प्रयोग नहीं किया जाता। इन दोनों ही ध्वनियों का प्रभाव हमारे मन पर पड़ता है। मंत्र साधना भौतिक बाधाओं का आध्यात्मिक उपचार है। इस तथ्य से आज का प्रबुद्ध जन मानस भली भांति परिचित है और स्वयं के कल्याण के लिए लोग विभिन प्रकार के मंत्रों का जाप अकसर किया करते हैं। सभी धर्मों में मंत्र साधना व जाप का बहुत महत्व बताया गया है। मानसिक अशांति, शारीरिक तकलीफों को दूर करने के लिए बहुत से मंत्रो के बारे में बताया गया है। धर्म की बताई हुई इन क्रियाओ पर विश्वास करने वाले को इन सब मंत्रो से बहुत लाभ प्राप्त हो सकता है। फिर वो चाहे किसी तरह का भय हो या पुराने कर्मो का उदय जाप साधना से आप सभी समस्यों से मुक्त हो सकते है बस देर हे तो मंत्रो पर विश्वास और श्रद्धा रखने की। कार्यशाला के मध्य गुरुदेव द्वारा उपस्थित जनसमुदाय की सांसारिक और आध्यात्मिक समस्याओं के सरल, सटीक और सम्यक समाधान भी बताए गए। इस कार्यशाला में दिल्ली, इंदौर, हैदराबाद, मुंबई, जयपुर, आगरा, गाज़ियाबाद, नोएडा आदि क्षेत्रों से शताधिक जिज्ञासुओं ने सम्मिलित होकर भारतीय संस्कृति के प्राचीनतम ज्योतिष - मंत्र विज्ञान, स्वरविज्ञान और सामुद्रिक शास्त्र की बारीकियों को समझा । इस शुभ अवसर पर विश्व संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण आयोग ( भारत सरकार ) के द्वारा परम श्रद्धेय मंत्र महर्षि डॉ. क्षुल्लक श्री 105 योग भूषण जी महाराज को ''मंत्र चिकित्सा के आध्यात्मिक विज्ञान'' के संदर्भ में 'डॉक्टरेट' की मानद उपाधि से सम्मानित किया ।

# स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 से धीरज सुथार अलंकृत

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** शक्ति फिल्म प्रोडक्शन द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 का वर्चुअल ऑनलाइन आयोजन किया गया जिसमे कवि धीरज सुथार को साहित्य और सामाजिक क्षेत्र में विगत कई वर्षों से दिए जा रहे योगदान को देखते हुए सम्मानित किया गया। धीरज को इसके पहले भी कई बार राज्य और राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया जा चुका हैं। जिसमें प्रमुख हैं जयपुर रत्न सम्मान 2023, राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार, विश्वकर्मा गौरव पुरस्कार समाज रत्न उपाधि, डिजिटल यूथ कल्चर फेस्टिवल 2020-विचार मंच में प्रथम स्थान, JK 24×7 न्यूज चैनल के आपणो राजस्थान कार्यक्रम में काव्यपाठ, शारदपुत्र उपाधि से सम्मानित,काव्य श्री साहित्य सम्मान-लखनऊ,शब्द साधना अलंकरण,श्री विश्वकर्मा सुथार समाज विकास संस्थान द्वारा 'समाज गौरव' सम्मान आदि से सम्मानित किया जा चुका हैं इसके साथ ही धीरज के कविता और लेख विभिन्न राज्य और राष्ट्रीय स्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं धीरज की लेखनी में श्रृंगार बाते हैं तो साथ ही समाज और राष्ट्र को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने की झलक भी मिलती हैं और युवाओं को आगे बढ़ाने के स्वर भी इनकी कविताओं में गूंजते हैं।

## गौशाला में हरा चारा, गुड, लापसी का किया अर्पण

**अजमेर. शाबाश इंडिया।** श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति व युवा संभाग की सर्वोदय कॉलोनी इकाई की सदस्य तारा देवी गदिया व राजीव नीति, अमित श्वेता गदिया ने पदमकान्त गदिया के स्वास्थ्य लाभ हेतु हरा चारा, गुड, लापसी गोशाला में अर्पण किया। रेणु पाटनी ने बताया कि नारेली गौशाला में प्रभारी सुकान्त भैया जी व टोनी भैया जी, अतुल मधु पाटनी के नेतृत्व में हरा चारा , कुटटी, गुड खिलाया गया । अजमेर में श्री सीता गौशाला पहाड़ गंज में भी 350 गायों को हरा चारा, गुड, लापसी अर्पण किया गया । समिति के उपाध्यक्ष ताराचंद सेठी व्यवस्थापक मनीष पाटनी युवा प्रकोष्ठ मंत्री रेणु पाटनी ने सेवा कार्य में सहयोग करा एवं स्वास्थ्य लाभ हेतु कामना की।

## वेद ज्ञान

# नियमों को समझें, बंधे नहीं...

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि अगर व्यक्ति अपने उद्देश्य के अनुसार मार्ग चुन ले और दूसरों के रास्ते में न आए तो टकराव की आशंका खत्म हो जाएगी। यह संदेश हमारी सामाजिक संरचना की उसी व्यवस्था को इंगित करता है जिसमें अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को प्रेरित करते हैं। भले ही वह नियम आदमी और उद्देश्य के अनुसार घिसा-पिटा हो गया हो। नियम इसलिए होते हैं कि अनुशासन बनाते हुए हम अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकें, पर जब नियमों का अनुसरण करना ही लक्ष्य बन जाए तो निर्दिष्ट लक्ष्य तक पहुंचना कठिन हो जाता है। हरेक समाज में कुछ ऐसे नियम होते हैं जिनका पालन एक सुगठित समाज के लिए आवश्यक है। धार्मिक अनुष्ठान, कानून-व्यवस्था, सामाजिक बंधन आदि के पीछे कुछ लक्ष्य होते हैं जिनका उल्लंघन अपराध माना जाता है। नियम जब रूढ़िवादिता में बदल जाएं तब उसे मिटा देना ही श्रेयस्कर है। कोई नहीं जानता, पर पीढ़ी दर पीढ़ी हम ऐसे नियमों का निर्वहन करते आ रहे हैं। नियमों में लचीलापन होना चाहिए जिसे सुगमता से बदला जा सके। स्कूलों में लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना होता है, लेकिन बच्चों को इन सभी में से अपनी पसंद के विषय का चयन करना होता है। ये सभी विषय उन पर जबरन नहीं लादे जाते। स्वाभाविक है कि जो साधन व्यक्ति विशेष को आसानी से उनके लक्ष्य तक पहुंचा दे वही साधन मान्य है। यह शाश्वत सच है कि प्रकृति के नियमों और जीवन के नियमों पर हमारा वश नहीं है। सामयिक नियमों में ही बदलाव संभव है, क्योंकि ये मानवकृत हैं। एक ही नियम से सभी तरह के उद्देश्य पूर्ण करना असंभव है। उद्देश्य बदलने के साथ नियम बदल जाने चाहिएं, पर होता यह है कि एक ही नियम से अनेक उद्देश्यों की पूर्ति लोग करना चाहते हैं। दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने जीवन को लचीला बनाने वाले तत्वों पर बल देते हुए कहा है कि जो लोग समय और परिस्थिति के अनुसार अपने को ढालते हैं वे सबसे सुखी लोग हैं। असल में महानता हमारी सोच में है, यह हमारे अंतर्मन में बसती है।

## संपादकीय

# जंगल की आग पर काबू...

शीतलता और हरियाली के प्रतीक माने जाने वाले जंगल इन दिनों धधक रहे हैं। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग अब इतनी विकराल हो चुकी है कि उन पर काबू पाने के लिए सेना को उतारना पड़ा है। ऐसा नहीं है कि दावानल की घटनाएं पहले नहीं होती थीं। सदियों से पहाड़ इसके गवाह रहे हैं। उत्तराखंड का इतिहास तो यह भी है कि 1920-21 में जब जंगलों पर लोगों के हक-हुकूक खत्म कर दिए गए, तब खुद लोगों ने ही आंदोलन के तहत वनों में आग लगा दिए थे। मगर अब तो हर साल दावाग्नि की समस्या विकराल रूप में सामने आने लगी है। इसकी कुछ खास वजहें हैं। पहली वजह, जलवायु परिवर्तन के कारण ''ड्राई पीरियड'' यानी सूखे की अवधि बढ़ गई है। तापमान बढ़ रहा है, जिसके कारण नमी कम हो रही है। नतीजतन, जंगलों में सूखी पत्तियां या टहनियां आसानी से दहक उठती हैं। वन विभाग के आंकडे.बता रहे हैं कि इस साल 1 जनवरी से लेकर 14 फरवरी के बीच जंगलों में आग लगने की 100 से अधिक बड़ी घटनाएं हुई हैं, जिसकी एक बड़ी वजह ड्राई पीरियड और तापमान-वृद्धि है। पहले यह अवधि छोटी होती थी, लेकिन अब जनवरी-फरवरी से लेकर मई-जून तक हम इसका एहसास करते हैं। दूसरी वजह है, सन् 1980 में वन (संरक्षण) कानून में किया गया वह प्रावधान, जिसके तहत पहाड़ों पर 1,000 मीटर ऊंचाई से ऊपर हरे पेड़ों की व्यावसायिक रूप से कटाई प्रतिबंधित कर दी गई। इसका नुकसान यह हुआ कि चीड़ के पेड़ों की संख्या असीमित बढ़ गई। चीड़ दरअसल ऐसा पेड़ है, जो आग बढ़ाने में सहायक माना जाता है। मार्च-अप्रैल से चीड़ की पत्तियां सूखकर नीचे गिरने लगती हैं और तापमान में वृद्धि होने पर आग के फैलाव का एक बड़ा कारण बनती हैं। बेशक, हरे पेड़ों की कटाई बंद होनी चाहिए, लेकिन ऐसा कोई प्रावधान तय करते समय हमें यह भी सोचना चाहिए कि किन पेड़ों की कटाई बंद होनी चाहिए और किनकी नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि हर पेड़ की प्रकृति अलग होती है। चीड़ को अन्य पेड़ों के समान देखना एक गलत नजरिया साबित हुआ है। तीसरी वजह है, जंगलों से लोगों का रिश्ता खत्म हो जाना। पहले लोगों का अपने आसपास के जंगलों से करीबी रिश्ता होता था। वे वनोपज से अपना गुजारा करते थे, इसके बदले में जंगलों का प्रबंधन किया करते थे। मगर सरकार ने जैसे ही जंगल अपने हाथों में लिया, लोगों ने खुद को इससे अलग कर लिया। इसके कारण वन बढ़ते हुए गांवों तक पहुंच गए, जो दावानल की चौथी वजह है। पहले जंगल को रोकने के तमाम उपाय अपनाए जाते थे, लेकिन अब अव्वल तो पहाड़ी गांवों में लोग रहते नहीं, और जो रहते हैं, उनके घरों में एलपीजी गैस आदि की सुविधा बढ़ने से जंगलों पर उनकी निर्भरता खत्म हो गई है। नतीजतन, वे वनों को नियंत्रित करने में खास रुचि नहीं रखते। इसी कारण जंगल की आग अब रिहायशी इलाकों तक पहुंचने लगी है और वनाग्नि की विकरालता काफी ज्यादा बढ़ गई है।

## परिदृश्य

# सरकार को फटकार

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को पारित अपने आदेश में कहा है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बावजूद मुख्यमंत्री बने रहने का उनका फैसला निजी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि स्कूली बच्चों के मौलिक अधिकारों को रौंद दिया जाए। अदालत ने दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में बच्चों को किताबें उपलब्ध न होने के मामले में दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए निगमायुक्त को निगम के स्कूली बच्चों के लिए पाठ्यसामग्री के लिए अपनी सीमा से बाहर जाकर राशि आवंटित करने का निर्देश दिया। इस काम में केजरीवाल के जेल में होने के कारण विलंब हो रहा है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ गैर-सरकारी संगठन ''सोशल जूरिस्ट'' की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि दिल्ली व्यस्त राजधानी ही नहीं है, बल्कि उसका या किसी भी अन्य राज्य में मुख्यमंत्री का पद कोई औपचारिक पद नहीं है। यह ऐसा पद है, जहां पदधारक को बाढ़, आग और बीमारी जैसी प्राकृतिक आपदा या संकट से निपटने के लिए 24 घंटे सातों दिन उपलब्ध रहना पड़ता है। इसलिए राष्ट्रीय हित और सार्वजनिक हित की मांग है कि इस पद पर रहने वाला कोई भी व्यक्ति लंबे समय तक या अनिश्चित समय के लिए संपर्क से दूर या अनुपस्थित न रहे। बेशक, स्कूली बच्चों को पाठ्यपुस्तकों, लेखन सामग्री और वर्दी मिलने में पेश आ रही समस्याओं का अब त्वरित समधान हो सकेगा। लेकिन आने वाले दिनों में अदालत को इस तरह के तमाम फैसले देने पड़ सकते हैं, जो आम जन के सरोकार से जुड़े हो सकते हैं। कारण, जब से केजरीवाल ईडी द्वारा दर्ज धन शोधन मामले में पीएमएलए के तहत गिरफ्तार करके जेल भेजे गए हैं, तभी से दिल्ली सरकार और उससे आवंटित धन के जरिए काम चलाने वाले नगर निगम में सारा कामकाज ठप सा पड़ गया है। केजरीवाल जेल में रहते हुए मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व निभाना चाहते हैं। इस बाबत कोई स्पष्ट नियम न होने के कारण उन्हें अपनी जिद पर अड़े रहने में मदद मिल रही है। होना तो यह चाहिए कि उन्हें अपनी पार्टी के किसी अन्य विधायक को मुख्यमंत्री की शपथ दिलवा देनी चाहिए ताकि जनता के काम न रुकें। जनता से जुड़े कार्यों में भी राजनीति होने लगेगी तो आने वाले दिनों में दिक्कतें और बढ़ने वाली हैं, और कोर्ट का दरवाजा खटखटाने वालों की संख्या बढ़ना भी तय है।

# आचार्य 108 सुनील सागर जी महाराज ससंघ का अजमेर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

## दिगंबर जैन महासमिति ने किया पाद प्रक्षालन

**अजमेर. शाबाश इंडिया।** दिगंबर जैन आचार्य 108 सुनील सागर जी महाराज का अजमेर में मंगल प्रवेश हुआ। मनोज जैन ने बताया कि इस अवसर पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई । इसी अवसर पर दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के सदस्यों के द्वारा आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन नया बाजार में किया गया। जिसमें समिति के प्रकाश पाटनी ,पुखराज पहाड़िया ,नीरज जैन ,प्रदीप पाटनी, अनिल गंगवाल, अशोक पहाड़िया, मनीष सेठी, मनोज मोडासिया, संजय बाकलीवाल, राजकुमार पाटोदी,आशीष बाकलीवाल, महिला संभागीय अध्यक्ष रूपश्री जैन, महामंत्री अनुभा जैन, कोषाध्यक्ष सुनीता गंगवाल, मधु बिलाला, रिंकू जैन, तृप्ति जैन, अंतिमा लुहाड़िया कुसुम जैन, संगीता लुहाड़िया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया।

## धर्म की रक्षा और प्रभावना हेतु किया भक्तामर स्तोत्र का पाठ एवं हुई भजन संध्या

**सनावद. शाबाश इंडिया।** भक्तामर स्तोत्र जैन समाज में सर्वाधिक प्रचलित स्तोत्र काव्य है। इसमें 48 संस्कृत श्लोकों के माध्यम से आचार्य मानतुंगस्वामी ने भगवान आदिनाथ स्वामी सहित तीर्थंकरों के गुणों का गुणगान किया है। इस पाठ के पूरा होते ही आचार्य मानतुंग की कालकोठरी के 48 ताले टूट गए और वे बाहर आ गये। इस चमत्कारिक घटना को हुए हजारों वर्ष बीत गये परंतु जैन श्रद्धालुजन प्रतिदिन सभी तरह की विघ्न बाधाओं को दूर करने, धर्म की रक्षा एवं प्रभावना हेतु इसका पाठ करते हैं तथा सामूहिक पाठ का भी आयोजन कराकर अपनी श्रद्धा और भक्ति समर्पित करते हैं। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि समाजसेवी चाँदमल जैन, राकेश जैन, नीलेश जैन ने सोमवार को सोलंकी कॉलोनी में भक्तामर स्त्रोत का सामूहिक पाठ कराया। पाठ के उपरांत भक्ति भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें संगीतमय वाद्य यंत्रो के साथ इंदौर के गायक सम्मेद जैन एंड पार्टी तथा पंकज जैन ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को धर्म मय बनाया। मंगलवार को शांति जाप के बाद श्री सम्मेद शिखर मंडल विधान की पूजन भी हुई। जिसमें अनीश जैन एवं सनीश जैन का सहयोग रहा। प्रभावना वितरित की गई। वात्सल्य भोज हुआ इस मौके पर अजय शाह, आदित्य पंचोलिया, अजय जैन ,जनीश जैन, सुधीर पंचोलिया, प्रदीप पंचोलिया, संदीप चौधरी, सम्मी जैन, संतोष बाकलीवाल, आलोक जैन, कमलेश भूच, मनीष पंचोलिया, मनोज जैन सहित अनेक समाजजन मौजूद रहे।

## महाराष्ट्र सरकार का जैनों के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय

### मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा महाराष्ट्र स्टेट जैन वेलफेयर कॉरपोरेशन गठन का ऐलान

**राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया**

मुंबई। जैन समाज के न्याय और अधिकारों के लिए, साधु संतों की सुरक्षा एवं तीर्थस्थलों की रक्षा के लिए, आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए, जैन समाज के विकास और उत्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा ''जैन विकास आयोग'' का गठन किया जाए इस मांग को लेकर अखिल भारतीय जैन अल्पसंख्यक महासंघ एवं भाजपा जैन प्रकोष्ठ द्वारा ललित गांधी और संदीप भंडारी के नेतृत्व में मिशन जैन वेलफेयर कमीशन अभियान चलाया जा रहा था। इस अभियान के समर्थन में राज्य के 160 से अधिक विधायक एवं 28 से अधिक सांसदों के समर्थन पत्र प्राप्त किए थे, कोल्हापुर में जैन अल्पसंख्यक महासंघ द्वारा आयोजित ''जैन जागृति अभियान'' समारोह में मुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे को सभी विधायक और सांसदों के समर्थन पत्र सुपुर्द कर जैन आयोग बनाने की मांग ललित गांधी द्वारा की गई जिसे स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री महोदय ने राज्य सरकार द्वारा 'महाराष्ट्र स्टेट जैन वेलफेयर कॉरपोरेशन' की स्थापना की जाएगी ऐसी घोषणा की। जैन समाज के लिए यह बड़ी उपलब्धि है और जैन समाज के सर्वांगीण विकास की दिशा में यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। विश्व जैन संगठन इसी तरह की उम्मीद मध्यप्रदेश सरकार से भी करते हुए विश्व जैन संगठन के प्रचारक राजेश जैन दद्दू मांग करते हुए महाराष्ट्र सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए बंधाई देते है इंदौर दिगम्बर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन,महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, हंसमुख गांधी, टीके वेद, विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन, मयंक जैन आदि ने महाराष्ट्र सरकार के निर्णय का स्वागत कर सरकार को बंधाई दी।

# 298 मरीजों को नि:शुल्क परामर्श

## नि:शुल्क बहुचिकित्सकीय परामर्श शिविर का आयोजन

**सीकर. शाबाश इंडिया**

जैन मित्र मंडल द्वारा संचालित जीवन सुधा डिस्पेंसरी और इंटर्नल हॉस्पिटल सांगानेर के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय मोहनी देवी मोदी धर्मपत्नी स्वर्गीय चिरंजी लाल पनवाड़ी की पुण्य स्मृति में बहुचिकित्सकीय परामर्श शिविर आयोजित किया। शिविर में इंटर्नल हॉस्पिटल सांगानेर-जयपुर के स्थानीय चिकित्सक डॉ मेघराज मीणा हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ भानु कौशिक मूत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. स्नेह कुमार वासनानी फिजिशियन, डॉ मोनिका जैन ईएनटी, डॉ अशोक धनवाल त्वचा रोग विशेषज्ञ द्वारा शिविर में निशुल्क परामर्श दिया गया ।साथ ही शिविर में पधारे हुए 298 रोगियों की नि:शुल्क जांच एवं दवाइयां की व्यवस्था भी की गई है। शिविर में दीप प्रज्ज्वलित धर्मचंद,सरोज,अभिषेक, प्रेम, सलोनी, शिवांश मोदी परिवार द्वारा किया गया। इस दौरान शिविर संयोजक राजीव झाँझरी, डिस्पेंसरी संयोजक सुनील दीवान, सह संयोजक प्रियंक गंगवाल, वित्त प्रभारी कमल संगही, जैन मित्र मंडल के अध्यक्ष मुकेश कुमार, उपाध्यक्ष पवन छाबड़ा, मंत्री दीपक सेठी, उप मंत्री पदम पहाड़ियां, कोषाध्यक्ष मनोज ठोलिया, संस्कृतिक मंत्री आलोक सेठी, निर्मल छाबड़ा, महावीर गंगवाल,भरेतश सेठी, पंडित जयंत शास्त्री, प्रवीण संगही, कैलाश जयपुरिया, राजकुमार बड़जात्या, राकेश मोदी, विनोद संगही, नरेश छाबड़ा, सुमत प्रकाश मोदी, सुरेश मोदी,आनंद मोदी, नवीन गंगवाल, संजय पाटनी, राघव सिहोटिया, कुलदीप सिंह राजावत,रोहित माथुर,पूनम चंद,टीना चौधरी, दीपक सैनी, हनुमान, अंकित सैनी,विकास शर्मा,संपत सिंह, महावीर सैन एवं अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन मुकेश कुमार जैन द्वारा किया गया। इंटर्नल हॉस्पिटल सांगानेर जयपुर के चिकित्सा एवं टीम का स्वागत एवं बहुमान चिरंजी पनवाड़ी धर्मचंद मोदी परिवार एवं जैन मित्र मंडल द्वारा किया गया।

# विद्यार्थियों को दी स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

माई क्रैक द वेलनेस कोड के बैनर तले हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम गीता बजाज बाल मंदिर संस्थान के तत्वावधान गीता बजाज बाल मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में आयोजित हुआ।इस मौके पर मुख्य अतिथि रहे ऑफ इंडिया यूनेस्को के नेशनल रिप्रेजेंटेटिव डॉ. राहुल मेहरा ने बच्चों एवं उनके अभिभावकों की उपस्थिति में स्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रम को अत्यंत बारीकी से समझाया एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता व ज्ञान को किस प्रकार अपने जीवन में उतारे के बारे में बताया। संस्थान की कार्यकारिणी के मंत्री गुरदेव सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत कर संस्थान का संक्षिप्त परिचय दिया। माय क्रैक द वैलनेस कोड फाउंडेशन और तरंग हेल्सेथ एलायंस के सौजन्य से बाल मंदिर गीता बजाज स्कूल में कंप्रिहेंसिव स्कूल हेल्थ प्रोग्राम, माध्यमिक कक्षा में पढ़ाया जाएगा। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रभाकर झा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन

## समझदारी इसी में है कि जितनी चादर, उतने पैर फैलाओ.. अन्यथा कभी भी हाथ फैलाने की नौबत आ सकती है..!

**शाबाश इंडिया।** समय से पहले इच्छाओं को ना दबाया गया तो इच्छायें ही इन्सान की दुश्मन बन जाती है। इच्छा और शौक इन्सान को बुराई की ओर आकर्षित करते हैं। इन्सान इच्छाओं के चलते ही बचपन से संघर्ष और प्रयत्नशील हो जाता है, या यूं कहें कि इंसानी फितरत स्ट्रगल करने का स्वभाव हो जाता है। यदि बच्चा चलने की कोशिश में, गिर कर खड़े होने की कोशिश ना करे तो वह अपाहिज हो जायेगा। मगर बच्चा बार-बार गिरने के बाद भी बार-बार खड़े होने की कोशिश करता है और यही कोशिश उसको बचपन से चलना और दौड़ना सिखा देती है। इन्सान को चाहिए कि वह बुराईयों से बचकर, बुरे शौक को दरकिनार कर अच्छाई की राह पर चले। आज के इन्सान की सबसे बड़ी कमजोरी है कि इच्छाओं का गुलाम और बुरे शौक का दास बनकर जीना। हमारी जरूरत से ज्यादा बढ़ी हुई इच्छा और औकात से ज्यादा शौक हमारे अच्छे खासे जीवन को शोक मय बना देते हैं...। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

# पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर नियमित देखभाल का संकल्प

**सीकर. शाबाश इंडिया।** भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए दाना पानी के लिए स्मृति वन में परिंडे लगाकर नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया गया । वासुदेव सोनी,नरोत्तम सोनी, आलोक काला, प्रियंक जैन,पवन मित्तल आदि ने अलग अलग जगहों पर परिण्डे लगाने में सहयोग किया। प्रियंक जैन ने बताया कि सीकर में गर्मी अपना तेवर दिखा रही है. जिससे इंसान के साथ पशु-पक्षियों के हाल बेहाल हैं गर्मी के इस मौसम में हर जीव को पानी की जरूरत तो पड़ती है ऐसे कार्यों के लिए लोग आगे आ रहे हैं और वह अपने घरों या आस-पास स्थित पेड़ पर पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगा कर उन्हें गर्मी से निजात दिलाने में मदद कर रहे है साथ ही वासुदेव सोनी, नरोत्तम सोनी परिंडे लगाने के साथ ही इनकी प्रतिदिन सफाई कर पानी और दाना डालने का लक्ष्य लिया यह कार्य वह पिछले 3 साल से प्रतिदिन कर रहे हैं।

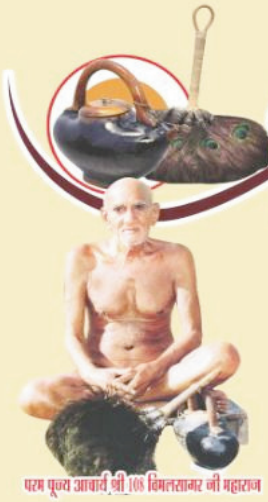


# श्री मुनिसंघ सेवा समिति जयपुर

(बापू नगर जैन समाज द्वारा संचालित)

जैन धर्म के दिवाकर परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर
आचार्य श्री १०८ विमलसागरजी महाराज
के पट्टासीन

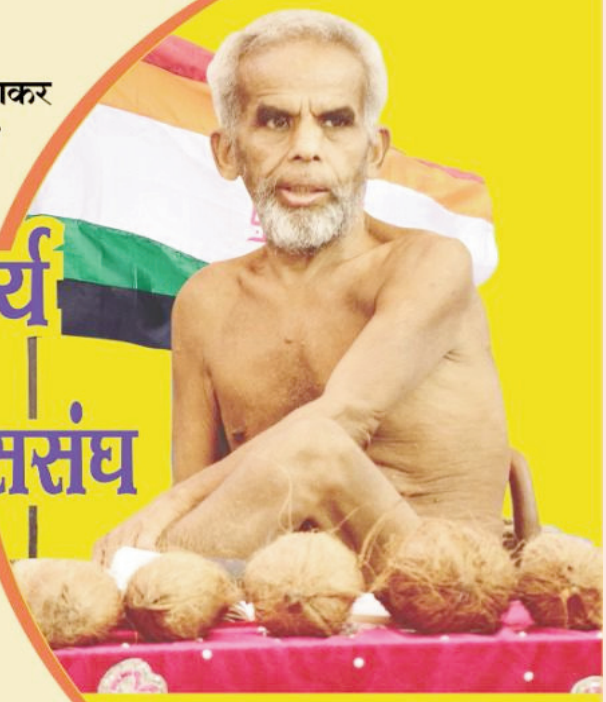

## परम पूज्य सर्वांगभूषण आचार्य श्री 108 चैत्यसागरजी महाराज, ससंघ

का 2 मई, 2024 को सायं 4.00 बजे
बड़ के बालाजी से विहार कर
स्वप्नलोक फ़ार्म्स की धरा पर

# भव्य मंगल प्रवेश

दिनांक 2 मई, 2024 सायं 5.15 बजे

स्थान : स्वप्नलोक फ़ार्म्स,
(वाटिका सिटी के पास),
ग्राम सांझरिया वाया-ठीकरिया,
अजमेर रोड़, जयपुर

सभी महानुभावों की सायंकाल भोजन की व्यवस्था है।

सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पूज्य गुरुदेव
की आगवनी में सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

निवेदक : सुभाष जैन पाटनी
आलोक एवं अन्नत पाटनी परिवार, बापू नगर, जयपुर

98292 13514

# डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने रविंद्र हस्त रेखा पुस्तक का किया विमोचन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** सिटी प्लेस में तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य की लिखित पुस्तक रविंद्र हस्तरेखा का विमोचन डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने किया। आचार्य ने बताया कि इस पुस्तक में हस्तरेखा विज्ञान के बारे में सरल पद्धति से दशार्या है सभी लोगों को इसका लाभ मिल पाएगा। इस पुस्तक के द्वारा मानव समाज का कल्याण होगा उन्हें मार्गदर्शन मिलेगा। इस कार्यक्रम में श्याम प्रेमी, पकज गोयल, मनोज कुमार, सुमित शर्मा, रेखा जांगिड़, अमित अग्रवाल, मोहित कुमावत, समर सिंह, गोपाल भाई, डॉ. विमल अग्रवाल, मोहित सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# पोदार जम्बो किड्स का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स मे दर्ज

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** पोदर एजुकेशन की ओर से संचालित पोदार जम्बो किड्स ने सबसे ज्यादा 2 से 6 साल के बच्चों ने एक साथ बहुसांस्कृतिक गतिविधियां में भाग लेने का एक रिकॉर्ड बनाया और यह ऐतिहासिक पल इंडिया बुक ऑफ रिकोड्र्स मे दर्ज हुआ। पोदार जंबो किड्स की सभी शाखाओं में हुई अलग-अलग तरह की बहु सांस्कृतिक गतिविधियां हुई जिसमें विद्यालय के सभी बच्चों ने भाग लिया। समापन हुए कार्यक्रम में 665 बच्चों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम जयपुर के साथ-साथ पोदार जंबो किड्स की भारत की सभी शाखाओं में संपन्न हुआ तथा सभी बच्चों को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की तरफ से सर्टिफिकेट दिया गया। इस कार्यक्रम के द्वारा बहुसांस्कृतिक शिक्षा के साथ-साथ एकता को भी बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ-साथ उनके माता-पिता ने भी हिस्सा लिया। ग्रुप के अध्यक्ष राघव पोदार ने सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया तथा उनके माता-पिता का अभिवादन किया।

# पारीक महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन

## प्रकृति का महत्त्व, ग्लेशियर, जी-20 और ग्रीनहाउस आदि विषयों पर चला मंथन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** बनीपार्क स्थित एसएसजी पारीक पीजी महिला महाविद्यालय में आई सी एस एस आर नई दिल्ली की ओर से प्रायोजित दो दिवसीय ''सस्टेनेबल डवलपमेंट एंड क्लाइमेट चेंज इन स्पेशल रिफ्रेंस विद जी-2 प्रीसेंसी ऑफ भारत'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मंगलवार को सम्पन्न हुई। इस संगोष्ठी में लगभग 175 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर पत्र वाचन किया। महाविद्यालय की प्राचार्य एवं कॉन्फ्रेंस कन्वीनर डॉ. विजयलक्ष्मी पारीक ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत विशिष्ट अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर गोविंद पारीक, मुल्लाना अम्बाला विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री एमएमडीयू की डॉ.भावना पारीक, पारीक प्रबंध कार्यकारणी समिति के सचिव लक्ष्मीकांत पारीक, कोषाध्यक्ष बुद्धिप्रकाश पारीक, संयुक्त सचिव गौरव पारीक, सदस्य भगवती प्रसाद, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विजयलक्ष्मी पारीक, पारीक पीजी कॉलेज डॉ. एनएम शर्मा, पारीक पी.जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन डॉ. प्रमिला दुबे व पारीक पब्लिक स्कूल की डॉ. चंदा शर्मा ने दीप प्रज्जलन कर की। सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि जी-20 ने भारत को एक महत्त्वपूर्ण दिशा प्रदान की है। संगोष्ठी के लिए ` विषय का चयन एक नया मंथन है जो ज्ञान को एक नई दिशा प्रदान करेगा। विशिष्ट अतिथि गोविंद पारीक ने प्राचार्य को बधाई देते हुए जलवायु परिवर्तन पर दुबई का उदाहरण देकर जी- 20 के 17 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला,इधर एनएम शर्मा ने प्रकृति का महत्त्व, ग्लेशियर, जी- 20, ग्रीनहाउस आदि विषयों पर अपने विचार प्रकट किए।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# बैराठी फाउंडेशन की पहल: बेजुबानों के लिए बांधे बर्ड-फीडर और परिंडे

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** गर्मियों में शहर के कई सामाजिक संगठनों द्वारा बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए परिंडे बांधे जाते हैं। ऐसे संगठनों की सूची में बैराठी फाउंडेशन का नाम अग्रणी है। हर वर्ष की तरह इस बार भी फाउंडेशन की ओर से बढ़ते तापमान और भयंकर गर्मी को देखते हुए विकसित और सुरक्षित पार्कों में सौ से ज्यादा बर्ड-फीडर और परिंडे बांधे गए। बैराठी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. सौरभ बैराठी ने बताया कि फाउंडेशन विगत कई वर्षों से लगातार हर गर्मी में परिंडे और बर्ड-फीडर बांधता है जिससे कि बेजुबानों को दाना व पानी आसानी से उपलब्ध हो जाए। इसी श्रंखला में इस वर्ष भी सुरक्षित पार्कों में 100 से ज्यादा परिंडे बाधे गए और बर्ड फीडर लगाए गए। बैराठी शूज के जीएम शंकर जोशी ने बताया कि यूं तो फाउंडेशन पक्षियों के लिए सालभर दाने-पानी की व्यवस्था करता है। लेकिन बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए खासकर मण्डा, वीकेआई एवं बढारणा इण्डस्ट्रीयल एरिया में परिंडे और बर्ड-फीडर लगाए गए। जिससे कि बेजुबान पक्षियों को दाना व पानी के लिए भटकना नहीं पड़े।

# गौरी खान होंगी स्पेक्टा की ब्रांड एंबेसडर

**गौरी खान के अनुसार स्पेक्टा क्वार्ट्ज सर्फेसेस भारत के कुछ गिने चुने ऐसे ब्रांड्स में से एक है जो इटालियन प्लांट एवं टेक्नोलॉजी के उपयोग से बनाए जा रहे हैं जिनकी डिजाइन, प्रोडक्ट रेंज, एवं क्वालिटी विश्वस्तरीय है और जिनके साथ आप अपने किचन को लग्जरी लुक दे सकते हैं। उनके अनुसार आजकल आइलैंड किचन के बढ़ते प्रचलन के कारण लग्जरी क्वार्ट्ज टॉप को ग्रेनाइट से ज्यादा पसंद किया जा रहा है।**

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

इंजिनियर्ड क्वार्ट्ज टॉप श्रेणी में लग्जरी ब्रांड 'स्पेक्टा' के प्रमोशन के लिए मशहूर इंटीरियर डिजाइनर एवं फिल्म प्रोड्यूसर गौरी खान को अपना ब्रांड एंबेसेडर चुना है। कंपनी के प्रबंध निदेशक प्रमोद जैन ने बताया की अपने लग्जरी क्वार्ट्ज टॉप के प्रमोशन के लिए गौरी खान को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है जो की इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में जानी मानी हस्ती हैं। गौरी खान के अनुसार स्पेक्टा क्वार्ट्ज सर्फेसेस भारत के कुछ गिने चुने ऐसे ब्रांड्स में से एक है जो इटालियन प्लांट एवं टेक्नोलॉजी के उपयोग से बनाए जा रहे हैं जिनकी डिजाइन, प्रोडक्ट रेंज, एवं क्वालिटी विश्वस्तरीय है और जिनके साथ आप अपने किचन को लग्जरी लुक दे सकते हैं। उनके अनुसार आजकल आइलैंड किचन के बढ़ते प्रचलन के कारण लग्जरी क्वार्ट्ज टॉप को ग्रेनाइट से ज्यादा पसंद किया जा रहा है। जयपुर की एआरएल इंफ्राटेक लिमिटेड कंपनी के निदेशक ने संवाददाता से बातचीत में बताया की विश्वस्तर पर में किचन काउंटरटॉप और फर्नीचर टॉप के लिए लक्जरी क्वार्ट्ज टॉप की मांग निरंतर बढ़ रही है और इसी बढ़ती मांग के मद्देनजर उनकी कंपनी ने बगरू में इंजीनियर स्टोन मैन्युफैक्चरिंग में सबसे आधुनिक तकनीक एवं मशीने बनाने वाली इटली की कंपनी ब्रेटन से प्लांट एवम मशीनें आयात कर मार्च 2022 से क्वार्ट्ज टॉप का कमर्शियल उत्पादन एवं निर्यात प्रारंभ कर दिया। जैन ने बताया की अपनी उच्चतम गुणवत्ता और विस्तृत प्रोडक्ट रेंज के कारण मात्र 2 साल में ही स्पेक्टा एक वैश्विक ब्रांड बनता जा रहा है।

20 वें तीर्थंकर मुनिसुव्रतनाथ भगवान के जन्म, तप व ज्ञान कल्याणक के अवसर पर

# 2 व 3 मई 2024 को दो दिवसीय कार्यक्रम में होंगे अनेक धार्मिक आयोजन

**फागी. शाबाश इंडिया**

फागी कस्बे के मुनिसुव्रत दिगंबर जैन मंदिर में जैन धर्म के 20 तीर्थंकर भगवान मुनि सुव्रतनाथ के जन्म, तप एवं ज्ञान कल्याण के अवसर 2 एवं 3 मई 2024 को दो दिवसीय कार्यक्रम में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि मंदिर समिति के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल के द्वारा जानकारी पर ज्ञात हुआ कि 2 मई 2024 गुरुवार को सांयकाल आरती एवं डा. सीमा दफ्तरी एण्ड पार्टी द्वारा भक्ति संध्या तथा पालना झुलाई का कार्यक्रम रखा गया है तथा 3 मई 2024 को प्रातः नित्य अभिषेक शान्तिधारा के समय मुनिसुव्रत नाथ भगवान के स्वर्णकलश से 1008 बार अभिषेक तथा मूलनायक भगवान की शान्तिधारा की जायेगी,नित्य अभिषेक के लिये उपस्थित अभिषेक कर्ताओ में लाटरी से नाम निकाल प्रथम अभिषेक कराया जायेगा तथा 1008 कलश उपस्थित सभी अभिषेक कर्ताओ द्वारा बारी-बारी से कियें जायेगें तथा शान्तिधारा बोली के माध्यम से की जायेगी। समाज से अपील की गई है कि समय पर उपस्थित हो कार्यक्रम में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर, पुण्यार्जन करें।

# सराकोद्धारक ज्ञानसागर की जन्म जयंती पर हुए विभिन्न आयोजन

**मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया**

मुरैना। सराकोद्धारक जैनाचार्य श्री ज्ञानसागर महाराज का 68वा अवतरण दिवस विभिन्न धार्मिक एवम सामाजिक कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । मुरेना में 01मई 1957 को जन्में परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के 68वें अवतरण दिवस पर जैन मंदिर ज्ञानतीर्थ एवम बड़ा जैन मंदिर मुरेना में विशेष आयोजन किए गए । प्रातः कालीन वेला में श्री जिनेंद्र प्रभु का जलाभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवम पूज्य आचार्यश्री की अष्टद्रव्य से पूजन की गई । बड़ा जैन मंदिर मुरेना के प्रवेशद्वार पर अन्न दान के तहत विशाल भंडारा किया गया । जिसमें सभी आमजनों को भोजन व मीठा पानी वितरित किया गया । इस भीषण गर्मी में शीतल पेय एवम अन्न प्रसादी पाकर सभी आमजन काफी आनंदित हुए । समाज के महिला मंडलों द्वारा बधाईयों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी महिलाओं ने पूज्य गुरुदेव का गुणगान करते हुए मंगल गीत गाए । रात्रि को संगीतमय आरती के साथ भजन संध्या का आयोजन किया गया।

# एबीवीपी का विद्यार्थियों का स्नेहमिलन समारोह एसपीयू में आयोजित

**जयपुर. कासं**

सिक्किम प्रोफेशनल युनिवर्सिटी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सिक्किम प्रांत का विद्यार्थियों का स्नेहमिलन समारोह का आयोजन सिक्किम प्रोफेशनल युनिवर्सिटी के सेमीनार हॉल में 30 अप्रेल को उत्साह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीश चोहान थे। बतौर मुख्य अतिथि चौहान ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के सिक्कम प्रांत से आए विभिन्न पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये एबीवीपी के कार्यक्रमों को, नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने रोजगारोन्मुख शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला एवं अनेक महापुरूषों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुये उनसे सीखने का आह्वान किया। उन्होंने शोध कार्यों पर बल देते हुये कहा कि हमें हर कार्य पूर्ण दक्षता के साथ करना चाहिये एवं उस कार्य की समाज में पूर्ण भागीदारी निभाई जानी चाहिये। कार्यक्रम के इसी क्रम में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें एबीवीपी के विभिन्न पदाधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के अधिकारी, अध्यापकों, प्राध्यापकों, कर्मचारीगणों ने भाग लिया। बैठक में एबीवीपी की आगामी विभिन्न गतिविधियों के संदर्भ में विचार विमर्श एवं मंथन किया गया एवं बैठक में सभी प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किये एवं आगामी योजनाओं के बारे में अवगत करवाया। इस अवसर पर कार्यक्रम में सिक्किम प्रोफेशनल युनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं एबीवीपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चोहान का खादा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम एवं बैठक में आए क्षेत्रीय संगठन मंत्री अपांगशू शेखर शील, सिक्किम प्रांत के एबीवीपी के अध्ययक्ष गणेश नियोपैनी, सिक्किम प्रांत के संगठन मंत्री पृथ्वी राणा, सिक्किम प्रांत के एबीवीपी के पूर्व अध्यक्ष, डॉ. दुर्गामनी ढकाल, सिक्किम प्रदेश के एबीवीपी के वाईस प्रेसिडेंट प्रोफेसर महेंद्र सिंह सेवदा, सीएयू रानीपूल गैंगटोक के प्रोफेसर राकेश कुमार, सिक्किम युनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार, प्रोफेसर लक्ष्मण शर्मा, प्रोफेसर ज्योती प्रकाश तमंग, प्रोफेसर भोज कुमार आचार्य, प्रोफेसर प्रदीप त्रिपाठी, प्रोफेसर नेणू पंत का सिक्किम प्रोफेशनल युनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने खादा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।